6
कलीसिया जो यीशु ने बनाई

प्रेरितों 2 से हमने सीखा कि जब कोई व्यक्ति बपतिस्मा लेता है, तो प्रभु उसे अपनी कलीसिया में मिला लेता है। एक और आयत 1 कुरिन्थियों 12:13 यही सच्चाई बताती है, कि ''हम ने ... एक देह होने के लिए बपतिस्मा लिया ...।'' जैसा कि हम देखेंगे, शब्द ''देह'' कलीसिया को दर्शाता है।

कलीसिया है क्या? बहुत से लोग, ''कलीसिया'' शब्द को सुनकर इसे कोई डिनोमिनेशन अथवा सम्प्रदाय समझते हैं। कलीसिया का अध्ययन करते समय हमें पूरी कोशिश करनी चाहिए कि अपने मन से मनुष्य द्वारा निर्मित धार्मिक संगठनों को बाहर रखें। हम उस कलीसिया पर ध्यान लगाना चाहते हैं जिसे यीशु ने बनाया था (मत्ती 16:18)।

''कलीसिया'' शब्द का क्या अर्थ है?

''कलीसिया'' शब्द यूनानी भाषा के शब्द *इकलीसिया* से अनुवादित हुआ है। *इकलीसिया* मिश्रित यूनानी शब्द है जो ''बुलाना'' (केलियो) के साथ उपसर्ग (इक) जिसका अर्थ ''बाहर'' या ''से बाहर'' है, का मेल है। इकलीसिया का अक्षरश: अर्थ है ''बुलाए हुए [लोग]।'' इस शब्द का उपयोग सैक्यूलर जगत में लोगों की किसी सभा के लिए किया जाता था,[1] परन्तु यीशु ने इसे एक विशेष शब्द बना दिया। जब इसे उस कलीसिया के नाम के लिए उपयोग किया जाता है जिसे उसने बनाया, तो यह शब्द उनके लिए उपयोग किया जाने लगा जिन्हें संसार ''में से बुलाया गया'' है अथवा यीशु के साथ नये सम्बन्ध में बुलाया गया है।[2]

नये नियम में ''कलीसिया'' शब्द का उपयोग कम से कम तीन अर्थों में हुआ है:

- यीशु ने इस शब्द का उपयोग *विश्वव्यापी* अर्थ में किया जब उसने कहा, ''मैं इस पत्थर पर अपनी कलीसिया बनाऊंगा'' (मत्ती 16:18)। कलीसिया को विश्वव्यापी अर्थ में सम्बोधित करने के लिए, इसे हमेशा एक वचन में प्रयोग किया जाता है, क्योंकि यह केवल एक ही है।[3] यह वह कलीसिया है जिसमें प्रभु बपतिस्मा लेने वालों को मिलाता है।

- *एकलीसिया* का उपयोग किसी स्थानीय मण्डली को सम्बोधित करने के लिए *स्थानीय* अर्थ में भी किया जा सकता है। इसीलिए हम ''गलतिया की कलीसियाओं'' और ''आसिया की कलीसियाओं'' के बारे में पढ़ते हैं (1 कुरिन्थियों 16:1, 19)। जब किसी को बपतिस्मा दिया जाता है तो वह विश्वव्यापी कलीसिया का एक सदस्य बन जाता है; परन्तु उसके लिए स्थानीय मण्डली के भाग के रूप में काम करना और आराधना करना भी ज़रूरी होता है।[4]
- नये नियम में कहीं-कहीं *एकलीसिया* शब्द को एक *सभा* के लिए भी इस्तेमाल किया गया है। मसीही लोग आराधना के मक़सद से एक स्थान पर इकट्ठे होते थे।[5] उदाहरण के लिए, जब 1 कुरिन्थियों 14:19 में पौलुस ने ''कलीसिया में'' सिखाने की बात की तो वह सभा को सिखाने की बात कर रहा था। (उस अध्याय की आयत 23 पढ़िये; 1 कुरिन्थियों 11:18 भी देखिये।)

कलीसिया क्या है?

अक्सर लोग अंग्रेज़ी के शब्द चर्च को एक भवन अर्थात गिरजाघर समझकर कहते हैं कि ''वह चर्च है,'' या ''वह मेरा चर्च है।'' जो कुछ हमने अब तक कहा है उससे यह स्पष्ट हो जाना चाहिए कि चर्च या कलीसिया एक भवन नहीं होता।[6] किसी ने कहा है, ''चर्च कभी भी एक स्थान नहीं, बल्कि हमेशा एक लोग हैं।''

मैं अपने अध्ययन में आमतौर पर ''कलीसिया'' शब्द का उपयोग करूंगा। ऐसा करते हुए मैं उनकी बात कर रहा होता हूं, जिन्होंने *यीशु के लोहू के द्वारा उद्धार पाया है*।

कलीसिया = उद्धार पाए हुए

कई लोगों का मानना है कि उनका उद्धार हुआ है किन्तु ज़ोर देकर कहते हैं कि वे किसी कलीसिया के सदस्य नहीं हैं। यदि उनका उद्धार हुआ है तो वे कलीसिया के सदस्य हैं क्योंकि, जैसे हमने देखा कि प्रभु उद्धार पाने वालों को कलीसिया में मिला लेता है (प्रेरितों 2:47; KJV)।[7] क्योंकि उद्धार पाने वाले सभी लोगों को प्रभु कलीसिया में मिला लेता है, इसलिए उद्धार पाने वाला कोई भी व्यक्ति कलीसिया से बाहर नहीं है।

यह सच्चाई पूरे नये नियम में सिखाई गई है। पौलुस ने ऐल्डरों के एक समूह को बताया कि ''तुम परमेश्वर की कलीसिया[8] की रखवाली करो, जिसे उसने अपने लोहू से मोल लिया है'' (प्रेरितों 20:28)। मसीह सभी के लिए मरा (2 कुरिन्थियों 5:14, 15), परन्तु उसकी मृत्यु से लाभ पाने वाले केवल वे ही हैं जो उसके प्रति समर्पण करते हैं। अन्य शब्दों में, केवल वे ही कलीसिया में हैं जिन्हें उसने सचमुच अपने लोहू से ''खरीद लिया है।''

इफिसियों 5:23, 25 में पौलुस ने लिखा, ''जैसे कि मसीह कलीसिया का सिर है; और

आप ही देह का उद्धारकर्ता है ... मसीह ने भी कलीसिया से प्रेम करके अपने आपको उसके लिए दे दिया।'' यदि मैं और आप उद्धार पाना चाहते हैं तो हमारे लिए उस कलीसिया का भाग बनना आवश्यक है जिससे मसीह प्रेम करता है। हमारे लिए उस कलीसिया का अंग बनना ज़रूरी है जिसके लिए मसीह ने अपने आप को बलिदान कर दिया। हमारे लिए उसका अंग बनना ज़रूरी है जिसका उद्धार प्रभु यीशु मसीह करेगा। अन्य शब्दों में, हमारे लिए प्रभु की कलीसिया का अंग बनना ज़रूरी है।

उन्हें क्या कहकर पुकारा जाता है?

नये नियम में, परमेश्वर के लोगों के लिए आम तौर पर पदनाम ''कलीसिया'' है, परन्तु अन्य शब्दों का भी उपयोग किया जाता है।[9] प्रत्येक शब्द कलीसिया को समझने में हमारी सहायता करता है।

देह

कलीसिया को कई बार ''देह'' कहा जाता है। इफिसियों 1:22, 23 में, पौलुस ने कहा कि परमेश्वर ने ''उसे [अर्थात, यीशु को] सब वस्तुओं पर शिरोमणि ठहराकर *कलीसिया* को दे दिया। *यह उसकी देह है,* और उसकी परिपूर्णता है, जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है।''

कलीसिया = देह

कुलुस्सियों 1:18 में पौलुस ने लिखा कि मसीह '' *देह, अर्थात कलीसिया* का सिर है।''

देह = कलीसिया

''देह'' शब्द हमें बताता है कि, कई प्रकार से कलीसिया मानवीय देह के समान है। मसीह देह का सिर है (इफिसियों 1:22, 23; कुलुस्सियों 1:18), और मसीही लोग देह के भिन्न-भिन्न अंग हैं (रोमियों 12:4, 5; 1 कुरिन्थियों 12:12, 18-27)। मानवीय देह में अनेक अंग हैं (बाहें, टांगें, हाथ, और दूसरे अंग), प्रत्येक का अपना-अपना काम है। इसी प्रकार मसीह की देह के बहुत से अंग हैं, सभी का विशेष काम और अपना-अपना महत्व है।

राज्य

कलीसिया को ''राज्य'' भी कहा जाता है। यीशु ने यह कहने के बाद, ''मैं इस पत्थर पर अपनी कलीसिया बनाऊंगा,'' पतरस को बताया, ''मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की कुंजियां दूंगा''[10] (मत्ती 16:18, 19क)। यीशु ने ''कलीसिया'' शब्द और ''राज्य'' को अदल-

बदल कर इस्तेमाल किया था।

कलीसिया = राज्य

पौलुस ने कुलुस्से में कलीसिया को बताया कि परमेश्वर ने ''हमें अन्धकार के वश से छुड़ाकर अपने प्रिय पुत्र के राज्य में प्रवेश कराया'' (कुलुस्सियों 1:13)।

''राज्य'' शब्द हमें बताता है कि जो लोग कलीसिया में हैं, वे राजा यीशु की प्रजा हैं। यीशु इस समय स्वर्ग में अपने सिंहासन पर बैठकर शासन कर रहा है (प्रेरितों 2:29-36) और तब तक करता रहेगा ''जब तक कि वह अपने बैरियों को अपने पांवों तले न ले आये। सबसे अन्तिम बैरी जो नाश किया जाएगा, वह मृत्यु है'' (1 कुरिन्थियों 15:25, 26)।

परिवार

कलीसिया के लिए मेरे पसन्दीदा शब्दों में से एक शब्द है परमेश्वर का ''परिवार''। पौलुस ने तीमुथियुस को बताया कि उसने यह इसलिए लिखा ताकि मसीही लोग जान लें कि ''परमेश्वर का घर, जो जीवते परमेश्वर की कलीसिया है, और जो सत्य का खम्भा, और नेव है; उसमें कैसा बर्ताव करना चाहिए'' (1 तीमुथियुस 3:15)।[11] इस आयत में ''घर'' शब्द का अर्थ है ''परिवार।''[12] मेरे विद्वान मित्र ह्यूगो मेकोर्ड ने इस आयत का अनुवाद इस प्रकार से किया है: ''कि तुम जान लो कि तुम्हें परमेश्वर के परिवार में किस प्रकार बर्ताव करना चाहिए।''

कलीसिया = परिवार

इस आत्मिक परिवार में, परमेश्वर पिता है (मत्ती 6:9), यीशु बड़ा भाई है (इब्रानियों 2:11, 12), और मसीही लोग भाई व बहनें हैं (याकूब 2:15)। मेरा सांसारिक परिवार मेरे लिए बहुमूल्य है, परन्तु परमेश्वर का आत्मिक परिवार उससे भी अधिक मूल्यवान है।

''कलीसिया,'' ''देह,'' ''राज्य,'' और ''परिवार'' शब्द पर्याय नहीं हैं; किन्तु वे लोगों के एक ही समूह को भिन्न-भिन्न चार प्रकार से देखने का ढंग हैं। मैं एक चित्र बनाकर समझाता हूं: मैं एक पिता, पति, पुत्र, और एक भाई हूं। शब्द ''पिता,'' ''पति,'' ''पुत्र,'' और ''भाई'' पर्याय नहीं हैं परन्तु वे सभी मुझ पर लागू होते हैं। उनसे उन विभिन्न सम्बन्धों का पता चलता है जिनका मैं आनन्द लेता हूं। इसी प्रकार, कलीसिया को सम्बोधन में चार शब्दों का उपयोग विभिन्न आत्मिक सम्बन्धों की बात बताता है:

- संसार से सम्बन्ध में मसीही लोग कलीसिया हैं, जिन्हें संसार में से यीशु में बुलाया गया।
- एक दूसरे से सम्बन्ध में कलीसिया एक देह है: सदस्यों को मिलजुलकर एक

दूसरे की संभाल के लिए काम करना है।

- यीशु से सम्बन्ध में, कलीसिया के सदस्य उसका राज्य हैं, जिन्होंने अपने मन और अपने जीवन उसके आधीन कर दिए हैं।
- परमेश्वर से सम्बन्ध में, मसीही लोग उसका परिवार अर्थात उसकी प्रिय संतान हैं।

सारांश

जो कुछ हमने अध्ययन किया है, उससे, यह स्पष्ट हो जाना चाहिए कि प्रभु की कलीसिया का भाग होना महत्वपूर्ण है। यदि हम उद्धार पाने की इच्छा रखते हैं तो हमारे लिए प्रभु की कलीसिया का सदस्य होना *अनिवार्य* है। फिर महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि ''क्या आप उसकी कलीसिया के सदस्य हैं ?''

पाद टिप्पणियां

[1]इसका उपयोग प्रेरितों 19:30, 32, 33, 39, 41 में इस अर्थ में किया गया है। [2]हमें सुसमाचार के द्वारा बुलाया गया है (2 थिस्सलुनीकियों 2:14), और उस पुकार का उत्तर हमें विश्वास और आज्ञाकारिता के द्वारा देना होगा। [3]इफिसियों 4:4 कहता है कि ''एक ही देह'' है; जैसे कि हम आगे अध्ययन करेंगे, वह देह कलीसिया है (इफिसियों 1:22, 23)। [4]यद्यपि नये नियम में पत्रियां समस्त कलीसिया के लिए हैं, वे हमेशा स्थानीय मण्डलियों के नाम ही हैं। स्थानीय मण्डलियां विश्वव्यापी कलीसिया की व्यावहारिक अभिव्यक्ति हैं। [5]वाक्यांश ''चर्च जा रहा'' का वचन के अनुसार केवल एक ही उपयोग है जिसका अर्थ है कि परमेश्वर की आराधना के लिए संतों (पवित्र लोगों) की सभा में जाना। [6]गिरजाघर (चर्च बिल्डिंग) कलीसिया के कार्य को पूरा करने के लिए हथियार के रूप में सहायक हो सकता है, परन्तु गिरजाघर या चर्च अर्थात कलीसिया नहीं है। [7]इस पुस्तक में प्रेरितों 2:38, 41, और 47 पर टिप्पणियां देखिए। [8]यह परमेश्वर, का पुत्र है। यह यीशु ही था जिसने कलीसिया को ''अपने ही लोहू से'' खरीदा था। [9]यीशु के राज्य के दृष्टांतों में राज्य/कलीसिया की तुलना एक खेत, दाख की बारी, और अन्य सुपरिचित वस्तुओं से की गई है। इस प्रकार शब्दों की सूची को बढ़ाया जा सकता था। [10]पतरस को ''स्वर्ग के राज्य की कुंजियां'' देने के वायदे का यह अर्थ नहीं था कि पतरस दूसरे प्रेरितों से अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगा बल्कि, सबसे पहले यह मानने के प्रतिफल में कि यीशु कौन था, पतरस ने पहला व्यक्ति कहलाना था जिसने लोगों को यह बताना था कि वे अपने पापों से क्षमा कैसे पा सकते हैं (प्रेरितों 2:14–41)। राज्य (कलीसिया) में लोगों को प्रवेश दिलाने के लिए ''कुंजियां'' इस्तेमाल करने वाला पहला व्यक्ति पतरस ही था परन्तु वह अकेला नहीं था। (उदाहरण के लिए, देखिये, प्रेरितों 22:16.)।

[11]परमेश्वर के घराने के बारे में अन्य आयतें इफिसियों 2:19 और 1 पतरस 4:17 हैं। [12]एक ऐल्डर के घर (उसके परिवार) और परमेश्वर के घर (परमेश्वर के परिवार, अर्थात कलीसिया) में तुलना की गई है। (देखिए 1 तीमुथियुस 3:4, 5, 15.)।